पाठ

शब्द भंडार

किसी भाषा में प्रयोग किए जा रहे या प्रयोग किए जा सकने वाले शब्द-समूह को 'शब्द-भंडार' जाता है।

यह भी जानें

'हिंदी शब्दसागर' हिंदी भाषा के लिए बनाया गया एक विशाल शब्द-संग्रह तथा मानक कोश इसका निर्माण 'नागरी प्रचारिणी सभा, काशी' ने सन् 1922 से सन् 1929 के बीच किया। उस प्रधान संपादक बाबू श्यामसुंदर दास जी थे। इसमें लगभग एक लाख शब्द थे।

आइए, शब्द-भंडार को बढ़ाने में सहायक पर्यायवाची, विलोम, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, भिन्नार्थक, अनेकार्थी शब्दों से परिचय करें।

1. पर्यायवाची शब्द

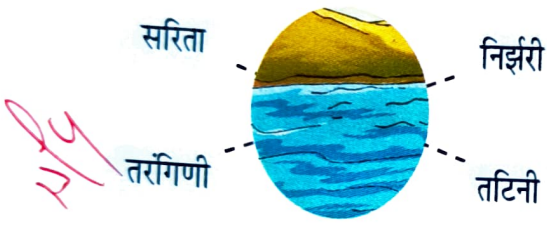

ऊपर नदी और फूल के चित्रों के आसपास उनके अन्य नाम दिए गए हैं। ये शब्द उनका लगभग समान अर्थ दे रहे हैं। ऐसे शब्दों को 'पर्यायवाची' या 'समानार्थी' कहा जाता है। इस प्रकार–

लगभग समान अर्थ देने वाले शब्दों को 'समानार्थी' या 'पर्यायवाची' शब्द कहा जाता है।

पूरी तरह समान न कहकर लगभग समान कहने का कारण– पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग हर जगह नहीं किया जा सकता; जैसे– हत्या और वध समानार्थी शब्द हैं, किंतु दोनों का एक-दूसरे की जगह प्रयोग नहीं किया जा सकता।

आतंकवादी बेवजह निर्दोषों की हत्या कर देते हैं। (कानूनी तौर पर किसी को जान से मार देने का अपराध)

श्रीराम ने रावण का वध किया। (सबकी भलाई के लिए किसी अत्याचारी को मारने का पुण्य भाव)

विशेष– अर्थ में थोड़ा अंतर होने के कारण यहाँ वध और हत्या का एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

पर्यायवाची शब्दों की विशेषताएँ

1. पर्यायवाची शब्दों में अर्थ व प्रयोग की दृष्टि से थोड़ा-सा अंतर होता है। इस कारण 'हस्तलिखित' को करलिखित या पाणिलिखित नहीं कहा जा सकता और 'पाणिग्रहण संस्कार' को 'करग्रहण संस्कार' नहीं कह सकते।
2. पर्यायवाची शब्दों में लिंग का अंतर भी हो सकता है; जैसे– हवा (स्त्रीलिंग), समीर तथा पवन (पुल्लिग); भोर तथा सुबह (स्त्रीलिंग), सवेरा तथा प्रात:काल (पुल्लिग)।

कुछ प्रमुख पर्यायवाची शब्द–

शब्द	पर्यायवाची
अंधकार	अँधेरा, तम, तिमिर
अग्नि	आग, अनल, पावक
अध्यापक	आचार्य, शिक्षक, गुरु
अमृत	सुधा, पीयूष, सोम
अहंकार	दंभ, दर्प, मद
आभूषण	गहना, अलंकार, भूषण
आम	आम/रसाल, अमृतफल
इच्छा	चाह, कामना, अभिलाषा
उन्नति	उत्कर्ष, उत्थान, उन्नयन
ऋषि	तपस्वी, मुनि, संन्यासी
कीर्ति	ख्याति, प्रसिद्धि, यश
गाय	गौ, गैया, धेनु
घोड़ा	अश्व, हय, तुरंग
जग	संसार, लोक, विश्व
तालाब	सर, पोखर, पुष्कर
देवता	सुर, देव, निर्जर
नव	नया, नवीन, नूतन
पथ	मार्ग, डगर, रास्ता
प्रभात	सवेरा, भोर, प्रात:
मोर	मयूर, कलापी, केकी
युद्ध	रण, समर, संग्राम
रात्रि	रात, रजनी, निशा
वायु	अनिल, समीर, हवा
सागर	समुद्र, सिंधु, नदीश
हाथ	कर, हस्त, पाणि
अंबर	आकाश, गगन, व्योम
अतिथि	आगंतुक, अभ्यागत, मेहमान
अपमान	अनादर, अवहेलना, अवज्ञा
अशुद्ध	दूषित, गंदा, अपवित्र
असुर	दैत्य, दानव, राक्षस
आपदा	विपत्ति, संकट, मुसीबत
आँख	नयन, नेत्र, चक्षु
ईश्वर	प्रभु, परमात्मा, परमेश्वर
उपवन	उद्यान, वाटिका, बाग
क्रोध	कोप, रोष, गुस्सा
कृतज्ञ	आभारी, कृतार्थ
घड़ा	घट, गागर, मटका
चंद्रमा	इंदु, सोम, मयंक
झूठ	असत्य, मिथ्या
दिन	दिवस, वार, वासर
धरती	भू, भूमि, वसुधा
नौकर	अनुचर, सेवक, परिचारक
पर्वत	अचल, नग, पहाड़
मूर्ख	मूढ़, मतिमंद, अज्ञ
बुद्धि	मति, मेधा, प्रज्ञा
राजा	नृप, नरेश, भूप
व्यथा	दुख, वेदना, पीड़ा
सदा	सतत, सर्वदा, नित्य
सूर्य	दिनकर, दिवाकर, भास्कर
हाथी	गज, हस्ती, कुंजर